तापमान
अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

हरिभूमि- कांकेर भूमि

रायपुर, सोमवार, 10 नवंबर 2025

14 रामकृष्ण आश्रम का संत समागम हुआ भक्ति...

14 धान खरीदी केंद्र पर अव्यवस्था, बारदाना ...

खबर संक्षेप

औषधीय पौधा खोज यात्रा में सर्वेक्षण पर की चर्चा

कांकेर। वनमण्डल कांकेर के वन परिक्षेत्र कोरर अंतर्गत शनिवार को उप परिक्षेत्र हाटकर्रा के परिसर बनोली में बीएमसी समितियों का औषधीय पौधों की खोज यात्रा कार्यक्रम रखा गया, जिसमें वन मंडलाधिकारी कांकेर रौनक गोयल, उप वनमंडलाधिकारी कोरर जसवीर सिंह मरावी, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोरर बीएस सूर्यवंशी की उपस्थिति में वैद्यराज व अन्य प्रोफेसर के माध्यम से जड़ी बूटियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता और उससे जुड़े ज्ञान का संरक्षण, जैविक संसाधनों का संतुलित उपयोग, संसाधनों का प्रबंधन, सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

शराब पीने की सुविधा देने पर दो गिरफ्तार

कांकेर। पखांजुर थाना पुलिस ने छापामार कार्यवाही करते हुए दो

व्यक्ति को पकड़ा और उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पखांजुर निवासी सहदेव बेसरा 8 नवंबर को शराब दुकान के सामने पीव्ही 55 के पास अपने चखना दुकान में शराब पीने वालो को शराब पीने की सुविधा था। वही आरोपी पखांजुर निवासी दीपक समदद्दार 8 नवंबर को पीव्ही 55 के पास अपने चखना दुकान में आने जाने वाले लोगो को शराब की व्यवस्था अवैध ढंग से उपलब्ध रहा था। पुलिस ने दोनो आरोपी के खिलाफ धारा 36 (सी) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

इलाज से पहले बच्चे की मौत, मर्ग कायम

कांकेर। पखांजुर थानांतर्गत 14 वर्षीय निकलेश कोमरा का अस्पताल पहुंचने से पहले ही 8 नवंबर को मौत हो गया। बारदा निवासी लक्ष्मण कोमरा ने पुलिस को बताया कि मृतक खेत में धान बांधने का काम करने के लिए गया था। सुबह करीबन 11 बजें निकलेश के दाहिने पैर से खून निकल रहा था व उस जगह पर साप काटने का निशान था। इलाज के लिए सिविल अस्पताल पखांजुर लेकर गए। अस्पताल में उपस्थिति चिकित्सकों ने बताया कि बच्चे की मौत हो चुकी है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

ग्रामीण ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

कांकेर। कच्चे चौकी अंतर्गत 47 वर्षीय सुंदर दर्रो ने अपने घर में फांसी लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। भैसाकन्हार निवासी अस्तीराम दर्रो ने पुलिस को बताया कि 7 नवंबर को मृतक ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नही चल पाया है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग

दुर्गुकोंदल। विकासखंड दुर्गुकोंदल के संकुल केंद्र कोड़ेकुर्से में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की सफल तैयारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संकुल स्तरीय निःशुल्क कोचिंग का विधिवत शुभारंभ कोड़ेकुर्से में हुआ। संकुल प्राचार्य थानेश्वर प्रसाद चंद्राकर ने कोचिंग की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया कि पीएमश्री कोड़ेकुर्से, कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से, सेजेस कोड़ेकुर्से, प्राथमिक शाला कराकी, प्राथमिक शाला बेल्दो, प्राथमिक शाला कोंडरूंज, प्राथमिक शाला मिचेवाड़ा तथा प्राथमिक शाला गुरदाटोला सहित कुल आठ विद्यालयों के लगभग 35 से अधिक मेधावी विद्यार्थी इस कोचिंग में सम्मिलित होंगे।

आपरेशन : सिविलियन को देखते ही पुलिस ने रोकी फायरिंग, जंगल में दिखाई मानवता

गोमे मुठभेड़ में नक्सली सिविलियन की आड़ में भागे, पुलिस ने जनहित में फायरिंग रोकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

राज्योत्सव समारोह के समापन के बाद जिले में नक्सल उन्मूलन के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने अपने अभियान को गति

- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा-अभी भी हथियार डालने का है मौका
- क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी, कई दिशाओं से घेराबंदी कर पुलिस ने बढ़ाई सक्रियता

देने की घोषणा कर दी थी। इसी कड़ी में कांकेर जिले के संवेदनशील गोमे क्षेत्र के घने जंगलों में रविवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच आमने-सामने मुठभेड़ हुई। नक्सली टुकड़ी की गतिविधि की पुख्ता सूचना मिलते ही जिला पुलिस बल, डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम को मौके पर भेजा गया था। हालांकि पुलिस की सतर्कता और मानवता के कारण इस मुठभेड़ में कोई बड़ी अनहोनी नहीं हुई। पुलिस टीम को जैसे ही फायरिंग स्थल के समीप सिविलियन नजर आए, जवानों ने तत्काल फायर रोक दिया। इसी स्थिति का लाभ उठाकर नक्सलियों का दल घने जंगलों का फायदा लेते हुए फरार होने में सफल रहा। राज्योत्सव कार्यक्रम के पहले ही उच्चस्तरीय बैठक में यह रणनीति तय की गई थी कि उत्सव के शांतिपूर्ण आयोजन के बाद जिले के नक्सल प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाया जाएगा। इसी योजना के तहत सुरक्षा एजेंसियां लगातार जंगलों और पहाड़ी इलाकों में मूवमेंट बढ़ा रही हैं। शुक्रवार देर शाम खुफिया तंत्र को सूचना मिली थी कि गोमे के जंगल में 10-12 नक्सलियों की एक टुकड़ी सक्रिय है और वह किसी बड़ी वारदात की तैयारी में है। जानकारी मिलते ही पुलिस ने देर रात ही एक रणनीतिक बैठक कर सर्च ऑपरेशन की योजना तैयार करते हुए टीम को

कार्रवाई : जिला पुलिस को तलाश है 30 नक्सलियों की, दो बड़े लीडर के साथ घूम रहे

कांकेर जिला राज्योत्सव के बाद नक्सली फागू व रूपी के खिलाफ आपरेशन की तैयारी में पुलिस

कांकेर के बिनागुंडा इलाके में सक्रिय तीस नक्सलियों की सरगर्मी से तलाश

रवाना कर दिया। सुरक्षा बलों की टीम जैसे-जैसे गोमे के अंदरूनी इलाकों की ओर बढ़ रही थी, उन्हें कई स्थानों पर हाल ही में जले लकड़ी के निशान, ताजा पैरों के चिन्ह और रास्तों पर गिरे सूखे पत्तों की दबने की ध्वनि सुनाई दी। यह संकेत थे कि क्षेत्र में हाल ही में नक्सलियों की आवाजाही हुई है। टीम को जंगल के मध्य भाग में पहुंचते ही दूर से हथियारबंद व्यक्तियों की गतिविधि दिखाई दी। पहले उनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी, परंतु जैसे ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू की, पुलिस को स्पष्ट हुआ कि यह नक्सलियों का दस्ता है।

आमने-सामने की मुठभेड़, पुलिस ने दिखाई मानवता

सूत्र बताते हैं कि नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को देखते ही ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से भी नियंत्रित फायर किया गया। इस बीच टीम के आगे बढ़ते ही फायरिंग क्षेत्र के समीप कुछ ग्रामीण दिखाई दिए। टीम लीडर ने संभावित नागरिक हानि को ध्यान में रखते हुए तुरंत फायरिंग रोकने का निर्देश दिया। यह निर्णय जोखिम भरा जरूर था, लेकिन पुलिस की यह मानवता थी। फायरिंग थमते ही नक्सलियों ने इसका लाभ उठाया और पीछे फैले गहरे जंगल और पहाड़ी खाइयों में भाग निकले। मुठभेड़ के बाद पुलिस टीम ने आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान को तेज कर दिया है। नक्सलियों की संभावित भागने की दिशा को ध्यान में रखते हुए सभी रास्तों पर चेकिंग बढ़ाई गई है। सुरक्षा बलों को निर्देश दिए गए हैं कि वे गांवों में प्रवेश करने वाले किसी भी संदिग्ध पर नजर रखें। साथ ही संभावित ठिकानों और जंगल मार्गों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

स्थिति नियंत्रण में, ऑपरेशन जारी

मुठभेड़ के बाद से पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस ने कहा है कि यह कार्रवाई केवल शुरुआत है। राज्योत्सव के बाद घोषित अभियान के तहत जिले के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी इसी तरह व्यापक कॉम्बिंग की जाएगी। ग्रामीणों को यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि सुरक्षा बल उनके साथ खड़े हैं और उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता, ग्रामीण ध्यान दें

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलीसेला ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सुरक्षा बल किसी भी अभियान में नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। सर्च ऑपरेशन हमारे लिए बड़े खतरों से भरा होता है, लेकिन आम नागरिक की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारे जवानों ने उसी सिद्धांत का पालन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीणों को नक्सलियों के साथ जंगल में न घूमे, वहीं जंगल में घूम रहे नक्सलियों से अपील है कि अभी भी समय है कि हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं, जिससे उनकी जान बच सके। सैकड़ो नक्सलियों ने हथियार छोड़कर मुख्य धारा में लौट आएं है और लौट रहे है। मेरे मोबाईल नंबर 9479194100 से सीधे संपर्क किया जा सकता है।

मिनी बंगला परलकोट क्षेत्र की सड़कें जर्जर, जनता परेशान, प्रशासन मौन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजूर

जिले के अंतिम छोर पर बसे परलकोट क्षेत्र जिसे कभी अपनी खूबसूरती और हरियाली के कारण मिनी बंगाल कहा जाता था। विभाग की नाकामी के चलते बदहाल सड़कों के कारण अपनी पहचान खोता नजर आ रहा है। परलकोट क्षेत्र की करीबन पूरी सड़कें गड्ढो में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे आवागमन तो मुश्किल हुआ ही है, स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

थानीय निवासियों का कहना है कि वर्षों से जनप्रतिनिधि यहां आकर केवल चुनावी वादे करते हैं, लेकिन सड़कों की मरम्मत और विकास कार्य चुनाव के बाद हमेशा अधर में लटक जाते हैं। क्षेत्र के लोगों ने आरोप लगाया है कि सरकार केवल वोट बैंक की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल से कोसों दूर हैं। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कीचड़ और गड्ढो से भरी सड़कों पर एंबुलेंस तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे बीमार और गर्भवती महिलाओं को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। स्थानीय युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से जल्द से जल्द सड़क सुधार कार्य शुरू करने की मांग की है, ताकि परलकोट फिर से अपने मिनी बंगाल वाले स्वरूप में लौट सके। परलकोट की लाइफ लाइन कहे जाने वाली एक मात्र सड़क स्टेट हाईवे 25 से सड़को की दुर्दशा से विभाग अनजान नही हैं, क्योंकि रोजाना नेता,मंत्री व सभी विभागो के अधिकारी इसी सड़क से होकर आना जाना करते है। अब यहाँ देखना है कि इस मिनी बंगाल के सौंदर्य को फिर से हरा भरा करने के लिए शासन प्रशासन द्वारा क्या प्रयास किया जाता है।

25 वीं राज्य शालेय क्रीड़ा स्पर्धा में बस्तर जोन को चैंपियन का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शासकीय पीएमश्री नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बस्तर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं सरगुजा जोन के 280 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह कार्यक्रम में जेपी इंटरनेशनल स्कूल एवं कन्या आश्रम सिंगारभाट द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस प्रतियोगिता में बस्तर जोन चैंपियन रहा। क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह में विधायक आशाराम नेताम ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल को भी अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और उसमें आगे बढ़ें। इस प्रतियोगिता के माध्यम से जो पहचान बनाई है, उसे आगे भी बनाए रखना है। प्रतियोगिता में जो विजेता बने हैं उन्हें शुभकामनाएँ और जो विजयी नहीं हुए हैं वे निराश न हो, क्योंकि असफलता ही सफलता की सीढ़ी होता है तथा अनुशासन और लगन से आगे सफलता मिलती है। छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा ने कहा कि खेल से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है, आपने इस क्रीड़ा प्रतियोगिता में खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले और महेश जैन ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और आयोजकों के प्रति आभार प्रकट किया। 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के परिणाम क्रिकेट बालिका 17 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम स्थान पर सरगुजा जोन, द्वितीय बिलासपुर जोन और तृतीय दुर्ग जोन रहा। इसी प्रकार हैंडबॉल बालिका 17 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम बस्तर जोन, द्वितीय रायपुर जोन तथा तृतीय सरगुजा जोन। खो-खो बालिका 19 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम दुर्ग जोन, द्वितीय बस्तर जोन एवं तृतीय बिलासपुर जोन तथा खो-खो बालक 19 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम बस्तर जोन, द्वितीय दुर्ग जोन एवं तृतीय बिलासपुर जोन रहा। बस्तर जोन को ओवरऑल ▶▶| शेष पेज 12 पर

पीएम मोदी सुरही व भंडारडिगी के एकलव्य विद्यालयों का 15 को करेंगे वुर्चअल उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

भारत सरकार द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय यानी ईएमआरएस जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री द्वारा 15 नवम्बर 2025 (शनिवार) को वर्चुअल माध्यम से देश के 42 ईएमआरएस विद्यालयों का उद्घाटन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले के दो विद्यालय नरहरपुर विकासखंड के ग्राम सुरही और दुर्गूकोंदल विकासखंड के ग्राम भंडारडिगी स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करेंगे। आयोजित कार्यक्रम पूरी तरह वन-वे लाइव प्रसारण के माध्यम से होगा, जिसके लिए संबंधित स्थलों पर आवश्यक तकनीकी एवं व्यवस्थागत तैयारियों के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विद्यालय प्रबंधन एवं स्थानीय शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम के दौरान निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी, एलईडी स्क्रीन, साउंड सिस्टम, मंच व्यवस्था, स्वागत एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यालय परिसर को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक रूप में तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम स्थल पर क्षेत्रीय सांसद, विधायक, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत प्रतिनिधि, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित कर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि स्थानीय स्तर पर भी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का सामूहिक उत्सव मनाया जा सके। दुर्गूकोंदल और नरहरपुर क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में इस उद्घाटन को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इन विद्यालयों के संचालित होने से क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अवसर अपने ही जिले में उपलब्ध होगा, जिससे शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

आधुनिक सुविधा एवं संसाधन से भरपूर

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जनजातीय बहुल क्षेत्रों में कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खानपान, खेल एवं व्यक्तित्व विकास हेतु आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए स्थापित किए जाते हैं। इन विद्यालयों में आधुनिक शैक्षणिक संसाधन, आईटी प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय एवं खेल मैदान की सुव्यवस्थित व्यवस्था रहती है।

राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा गया ज्ञापन

कोडेकुसे की बैठक में पारंपरिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत के रक्षार्थ प्रस्ताव पारित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम कोडेकुसे में मूल निवासी समुदाय के प्रतिनिधियों, ग्राम स्तरीय जनप्रतिनिधियों, बुजुर्गों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में

- जनजातीय एवं मूल निवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान सामाजिक व्यवस्था का आधार

धर्मांतरण से उत्पन्न हो रहे सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रभावों पर चिंतन किया गया तथा समुदाय की सामूहिक सहमति के आधार पर प्रस्ताव पारित किया गया। सभा की अध्यक्षता ग्राम सरपंच साधना सहारे ने किया। आयोजित विशेष ग्राम सभा में वक्ताओं ने कहा कि

पाँचवीं अनुसूचित क्षेत्र में रहने वाली जनजातीय एवं मूल निवासी समाज की अपनी परंपरा, देवी-देवता, पूजा पद्धति एवं सांस्कृतिक पहचान है, जो सदियों से समुदाय के जीवन और सामाजिक व्यवस्था का आधार रही है। वक्ताओं ने कहा कि हाल के समय में कुछ ग्रामों में बिना ग्राम सभा और प्रशासनिक अनुमति के धर्मांतरण से संबंधित गतिविधियाँ, प्रार्थना सभाएँ और प्रचार कार्यक्रम आयोजित होने के आरोप सामने आ रहे हैं, जिससे स्थानीय आस्था, पारिवारिक संबंध और सामाजिक एकता में तनाव की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। सभा में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि पाँचवीं अनुसूचित क्षेत्र में किसी भी नए धार्मिक प्रार्थना स्थल, उपासना केंद्र या धार्मिक प्रचार-प्रसार गतिविधि को ग्राम सभा की पूर्व अनुमति और प्रशासनिक स्वीकृति के बिना संचालित न किया जाए। यह प्रस्ताव किसी धर्म या समुदाय के विरोध में नहीं, बल्कि पारंपरिक सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व बनाए रखने के उद्देश्य से पारित किया गया है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन लालच, प्रलोभन या दबाव देकर धर्मांतरण कराना कानूनी रूप से दंडनीय है, इसलिए समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। वक्ताओं में जगत राम दुग्गा, रामचंद्र कल्लो, देवेंद्र टेकाम, ▶▶| शेष पेज 12 पर

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी को भेजा गया जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजुर

बांदे थाना क्षेत्र के एक नाबालिग लड़की के साथ शादी का प्रलोभन देकर कथित शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह कार्रवाई शिकायत दर्ज होने के कुछ ही घंटों के भीतर किया। आरोपी बांदे थाना क्षेत्र के पीव्ही 89 विवेकनगर निवासी 28 वर्षीय विप्लव दास उर्फ अजय दास को गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा गया।

पीड़िता के परिजन ने बांदे पुलिस को बताया कि 8 नवंबर की रात लगभग 1 बजें आरोपी विप्लव दास जबरन घर में घुस आया। आरोपी ने नाबालिग लड़की को शादी का प्रलोभन दिया और जबरदस्ती उसकी माँग में सिंदूर भरकर उसे अपने साथ ले जाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित ने इस घटना से पूर्व में भी

पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार किया था। थाना बांदे की टीम ने आरोपी विप्लव दास उर्फ अजय दास को 9 नवंबर को पकड़ और कड़ाई से पूछताछ किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश कर नायिका रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ धारा 64(1), 87, 65(1), 331 (4) बीएनएस, पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत मामला दर्ज किया गया।

खबर संक्षेप

आरती का राज्य स्तरीय वालीबाल स्पर्धा के लिए चयन

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव की एम.ए. की छात्र आरती ने खेल क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय वालीबाल महिला प्रतियोगिता के लिए किया गया है। आरती उत्तर बस्तर सेक्टर की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह चयन शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर में आयोजित सेक्टर स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता में आरती के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ। राज्य स्तरीय

नंगे पांव यात्रा पर निकले बिहार के अधिवक्ता ओमप्रकाश पहुंचे कोंडागांव

कोण्डागांव। बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर निवासी 33 वर्षीय अधिवक्ता ओम प्रकाश यादव देशभर में अद्वितीय आस्था और संकल्प की मिसाल बनकर उभरे हैं। वे गंगोत्री धाम से लेकर रामेश्वरम तक की नंगे पांव पैदल यात्र पर निकले हैं।

पेज 11 के शेष...

25 वीं राज्य...

चैंपियन का खिताब मिला। इस अवसर पर पार्षदगण, शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, पीटीआई शिक्षक, सभी पांच जोन के प्रभारी अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कोडेकुसे की बैठक...

रतन कोवाची, नागसाय तुलावी, रघुनंदन गोस्वामी, तुकाराम पटेल, सियाराम उयका, लल्लू पुडो सहित अन्य कई वक्ताओं ने विचार रखे। सभा के उपरांत राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया, जिसमें पारित प्रस्ताव पर कानूनी एवं प्रशासनिक विचार की मांग की गई है।

खेतों में किसानों की चहल-पहल बढ़ी, ग्रामीण इलाकों में लौटी रौनक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

■ किसान सुबह से शाम तक खेतों में जुटे

जिले के विकासखण्ड बड़ेराजपुर अंतर्गत सभी ग्रामीण इलाकों में इस समय धान कटाई का कार्य पूरे जोर-शोर से चल रहा है। किसान सुबह से ही खेतों की ओर निकल जाते हैं और देर शाम तक खेतों में मेहनत करते नजर आते हैं। हरवेल, डिहीपारा, तराईबेड़ा, बालेंगा, किबड़ा, धामनपुरी, तितरवंड, पिटीसपाल, पीढ़ापाल, गम्हरी, सोनपुर, खजरावंड और लिहागांव जैसे ग्रामों के खेतों में हर ओर सोने सी चमकती फसलों की कटाई का -श्य देखा जा सकता है। पातरीपारा में रविवार को किसानों को सामूहिक रूप से कटाई करते देखना एक मनमोहक दृश्य रहा।

ड़ेराजपुर क्षेत्र में धान कटाई जोर-शोर से शुरू

बारिश से कुछ इलाकों में देरी की संभावना

दीपावली के बाद हुई हल्की बारिश से खेतों में नमी बढ़ गई है, जिसके कारण कुछ क्षेत्रें में कटाई में थोड़ी देरी हो सकती है। फिर भी किसान कृषि यंत्रों की मदद से धान की सफाई और पंख लगाने के कार्य में सक्रिय हैं। अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों में स्थानीय बाजारों में नई धान की आमद से फिर से रौनक बढ़ेगी। धान कटाई के इस मौसम में बड़ेराजपुर अंचल के खेतों में मेहनत, उम्मीद और खुशहाली का संगम दिखाई दे रहा है।

दीपावली के बाद बढ़ी कटाई की रफ्तार

दीपावली के एक सप्ताह बाद से ही किसानों ने कटाई कार्य शुरू कर दिया है। अब देर से पकने वाली किस्मों की धान की कटाई भी प्रारंभ हो गई है। किसान खेतों और खलिहानों में नई फसल की तैयारी में जुट गए हैं। कटाई के साथ ही मजदूरों को भी काम मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में फिर से रौनक लौट आई है। किसानों का कहना है कि मोटी किस्म की धान लगभग तैयार हो चुकी है और जल्द ही बाजारों में नई फसल की आवक शुरू होगी।

समारोह: "नवा बस्तर नवा सवेरा" देशभक्ति संध्या में उमड़ा जनसैलाब

देशप्रेम के सुरों और जयघोषों से गूंज उठा नारायणपुर का आसमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

नगर के हृदय स्थल पुराने बस स्टैंड परिसर में यूथ वेलफेयर सोसाइटी, नारायणपुर द्वारा "नवा बस्तर नवा सवेरा" के ध्येय वाक्य पर आधारित देशभक्ति संगीत संध्या का भव्य आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे और देर रात तक देशभक्ति के सुरों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा।

मुख्य अतिथि विधायक एवं मंत्री केदार कश्यप के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही जनसैलाब ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पुष्पवर्षा, भव्य आतिशबाजी और "जय हिंद", "जय बस्तर" के नारों ने समूचे परिसर को देशभक्ति के रंगों में रंग दिया। उस क्षण पूरा नगर मानो एकता, उत्साह और गर्व का प्रतीक बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सनातन परंपरा अनुसार मां भारती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि श्री केदार कश्यप एवं विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। यूथ वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य श्री अभिषेक झा, सचिन जैन, अविनाश देवांगन एवं इशांत जैन ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शाल और श्रीफल से स्वागत किया।

प्रस्तुति में झूम उठा नगर आतिशबाजी और नारों ने रचा अद्भुत वातावरण

नन्हे कलाकारों ने दिखाया अद्भुत संतुलन

संगीत संध्या की शुरुआत इंडियाज गॉट टैलेंट के विजेता अबूझमाड़ मलखंभ एंड स्पोर्ट्स एकेडमी के बच्चों की प्रस्तुति से हुई। उनकी अद्भुत लय, संतुलन और शक्ति से भरे प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ऊँचे खंभों पर किए गए रोमांचक करतबों और पारंपरिक संगीत की ताल पर किए गए योगिक आसनों ने सभी को अचंभित कर दिया। यह प्रस्तुति बस्तर की मिट्टी में पल रही प्रतिभा और "नवा बस्तर नवा सवेरा" की भावना का सजीव उदाहरण बन गई। दर्शकों ने जोरदार तालियों से नन्हे कलाकारों का स्वागत किया।

प्रकाश माली की गायकी में भक्ति और देशप्रेम का संगम

इसके पश्चात राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश माली ने मंच संभाला। उन्होंने "ऐ मेरे वतन के लोगों", "भारत माता की जय", "वंदे मातरम" जैसे गीतों के माध्यम से पूरा पंडाल देशप्रेम की भावना से भर दिया।

नवा बस्तर नवा सवेरा बस्तर के आत्मगौरव का प्रतीक : कश्यप

अपने संबोधन में मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर की नवचेतना, जागरण और आत्मगौरव का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से समाज निर्माण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

शहीदों के परिजनों का सम्मान और स्मृति-चिह्न भेंट

इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने नारायणपुर की सुरक्षा और विकास में योगदान देने वाले शहीद जवानों के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। अंत में आयोजन समिति की ओर से स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित चित्र स्मृति-चिह्न स्वरूप मंत्री कश्यप को भेंट किया गया।

जयघोषों से गूंज उठा समापन समारोह

कार्यक्रम का संचालन यूथ वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों ने किया। अंत में 'भारत माता की जय' और 'जय बस्तर' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। देशभक्ति संगीत संध्या ने नारायणपुर की सांस्कृतिक पहचान और जनभावना को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया।

राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश के साथ गूँजे देशभक्ति के नारे

कोण्डागांव। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतपुरी, जिला कोण्डागांव की एन.एस.एस. इकाई जैतपुरी द्वारा यूनिटी मार्च एवं एकता शपथ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य राजेश पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी बृजेश तिवारी ने स्वयंसेवकों को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनके नेतृत्व, और देश की एकता एवं रियासतों के एकीकरण में उनके अमूल्य योगदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिन्होंने भारत की अखंडता को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। इस अवसर पर सभी स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश सेवा में अपने योगदान की शपथ ली। यूनिटी मार्च के दौरान स्वयंसेवकों ने गाँव की गलियों में सरदार पटेल अमर रहें, कश्मीर हो या कन्याकुमारी, भारत माता एक हमारी जैसे देशभक्ति के गगनभेदी नारे लगाकर ग्रामीणों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।
यूनिटी मार्च के माध्यम से जैतपुरी के ग्रामीणों को राष्ट्रीय एकता और समरसता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, एन.एस.एस. स्वयंसेवक एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मूल धर्म में लौटे परिजनों का पैर धोकर स्वागत, सरोना में उल्लास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

सरोना के रामनगरपारा निवासी परदेसी बघेल ने अपने पांच सदस्यीय परिवार सहित 10 वर्ष पूर्व ईसाई धर्म अपना लिया था। शनिवार को ग्राम सभा की बैठक में परदेसी बघेल परिवार ने पुनः अपने मूल हिंदू धर्म में लौटने की इच्छा व्यक्त की। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने परंपरागत रीति-रिवाज के साथ उनका स्वागत किया।

ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से परदेसी बघेल परिवार के पैर धोकर स्वागत किया और उन्हें पुनः हिंदू धर्म में विधिवत प्रवेश करवाया। परदेसी बघेल ने बताया कि वे दस वर्ष पूर्व प्रलोभनवश ईसाई धर्म में चले गए थे, लेकिन वहां मन न लगने के कारण लंबे समय से अपने धर्म में वापसी की इच्छा थी। उन्होंने कहा कि अब अपने धर्म और संस्कृति को मानते हुए पुनः समाज में लौटकर बेहद प्रसन्न हैं। धर्म में पुनः प्रवेश के बाद उन्होंने शिव मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूर्व ग्राम समिति अध्यक्ष अजय हिरवानी ने कहा कि धर्मांतरण आज समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इसके खिलाफ समाज को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपरा को बचाने के लिए ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे। गांव की एकता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए यदि कोई भी कदम उठाना पड़े, तो समाज हमेशा तत्पर रहेगा। ग्राम सभा में पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवंत सुरोजिया, जीवन नेताम, सरपंच दीपिका वट्टी, ग्राम पटेल मोहन नेताम,उप सरपंच दिनेश सहारे,पूर्व उपसरपंच पुष्कर साहू, अशोक निषाद, सुरेश साहू उपस्थित रहे।

रामकृष्ण आश्रम का संत समागम हुआ भक्ति व अध्यात्म का संगम

पखांजुर। धर्म, आध्यात्म और समाज सेवा के दिव्य आदर्शों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित रामकृष्ण विवेकानन्द भाव प्रचार परिषद का भव्य वार्षिक सम्मेलन 9 नवंबर को श्री श्री रामकृष्ण आश्रम पखांजुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भगवान श्री श्री रामकृष्ण परमहंस देव, जगत जननी माँ शारदा देवी और स्वामी विवेकानंद के आशीर्वाद से आयोजित यह संत समागम सह भक्त सम्मेलन क्षेत्र के आध्यात्मिक जगत के लिए एक अविस्मरणीय अवसर बन गया।

आयोजन में रामकृष्ण मठ और मिशन के कई पूज्य संतों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपनी अमृतमयी वाणी और दिव्य उपस्थिति से छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से आए हजारों भक्तों को अनुगृहीत किया। पूज्य संतों ने भक्तों को भगवान श्री रामकृष्ण देव, माँ शारदा देवी एवं स्वामी विवेकानन्द जी के दिव्य आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मेलन सभी के जीवन में आध्यात्मिक प्रेरणा, गुरु भक्ति और समाज सेवा की भावना को और अधिक गहरा करने का एक पावन मंच सिद्ध हुआ। यह सम्मेलन धार्मिक विचार-विमर्श, सत्संग और सामूहिक भक्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बना, जिसमें क्षेत्र के सभी आध्यात्मिक प्रेमी और भक्तों ने अपने ईष्ट मित्रों सहित उत्साहपूर्वक भाग लिया। परिषद की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के भक्तों के लिए एक बड़ा आयोजन रहा। इस आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष टुलू भट्टाचार्य, प्रवीर कुमार वाला सचिव, शुरूजीत पाल कोषाध्यक्ष, सुपद सरकार वरिष्ठ कार्यकारणीय, हाबू दास, विपुल घोष, कुलेश्वरी वर्मन सहसचिव, तापस दास युवा समन्वयक, तापस पाल युवा कार्यकारिणी, सुशील हालदार, प्रदीप बवाली, निखिल दास, विधान माझी, चंचल कीर्तनीय, अंजलि दास, शोभा भट्टाचार्य, सुबोध विश्वास,अधीर मंडल सहित सैकड़ों ग्रामीणों का सहयोग रहा।

बस्तर ओलंपिक की जिला स्पर्धा 12 से, सीईओ ने ली समीक्षा बैठक

कांकेर। बस्तर ओलंपिक का जिला स्तरीय प्रतियोगिता 12 से 14 नवम्बर तक कांकेर स्थित पीएमश्री शासकीय नरहरदेव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। उक्त प्रतियोगिता में तीरंदाजी प्रतियोगिता शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर में आयोजित होगी, शेष सभी प्रतियोगिताएं नरहरदेव विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने अधिकारियों की बैठक लेकर जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उनके द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को जिला मुख्यालय तक लाने के लिए खुली वाहनों का उपयोग नहीं करने के लिए अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया और साथ ही भोजन, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं पर भी विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए गए। विभिन्न प्रकार के दायित्वों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने कहा गया, क्रीड़ा स्थल पर चिकित्सा दल की ड्यूटी भी लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान बताया गया कि बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में एथलेटिक्स 100 मी., 200 मी. और 400 मी., लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपूट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो 4x100 मी. रिले रेस, तीरंदाजी, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, हॉकी, कराते, व्हॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग तथा महिला सीनियर वर्ग के लिए रस्साकस्सी की प्रतियोगिता होगी। जूनियर वर्ग में बालक-बालिकाओं के लिए आयु सीमा 14 से 17 वर्ष निर्धारित है, वहीं सीनियर वर्ग में महिला-पुरूष दोनों वर्ग के लिए आयुबंधन नहीं है।

एक-एक नए मतदाताओं को जोड़ना भाजपा के संगठनात्मक संकल्प का हिस्सा

मतदाता पुनरीक्षण व वंदे मातरम की वर्षगांठ पर भाजपा ने की कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

भारतीय जनता पार्टी सरोना मंडल द्वारा मतदाता पुनरीक्षण अभियान एवं वंदे मातरम की 150वीं जयंती समारोह के अवसर पर मंडी परिसर में एक प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती और वंदे मातरम गीत के साथ हुई, जिसके बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में वंदे मातरम का जयघोष किया, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से गूंज उठा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मुकेश संचेती ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। एक-एक नया मतदाता जोड़ना भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक संकल्प का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि लोकतंत्र में भागीदारी और अधिक व्यापक हो सके। मंडल अध्यक्ष टेकेश्वर सिन्हा ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता इस कार्य को जन-जागरण अभियान के रूप में चलाए, ताकि कोई भी नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। इसके साथ ही उन्होंने वंदे मातरम की 150वीं जयंती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन हमें मां भारती की सेवा और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा है, जो हर भारतीय के हृदय में बसती है। मंडल प्रभारी तारा ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। यदि प्रत्येक कार्यकर्ता संकल्पपूर्वक मतदाता पुनरीक्षण अभियान में जुटे, तो संगठन और लोकतंत्र दोनों अधिक सशक्त होंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे समाज के हर वर्ग तक पहुँचें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री किशोर भास्कर ने किया तथा आभार प्रदर्शन महामंत्री कन्हैया नेताम ने किया। आयोजन में मंडल के समस्त पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, प्रभारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जीवन नेताम, यशवंत सुरोजिया, सगेसिंग वट्टी, अशोक निषाद, रूखदेव यादव, अशोक लुनावत, चंपा देवी जायसवाल, हेमंत साहू, अनिल गजपाल, नागेंद्र पाल सुरोजिया, हनुमान प्रसाद पांडे, दिनेश पांडे, कार्तिक निषाद, रामाधार धनकर, मोहन नेताम, बृजलाल यादव, जगदेव पटेल, द्वया चिंतामणि रामटेके, चंद्रभान नेताम, संता मरकाम, निलेश गोलछा, दीपक साहू, प्रमोद मरकाम, घनश्याम कोर्राम, बिमलेश यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धर्मांतरण समूह की रैली तथाकथित रैली से आदिवासी एवं सर्वसमाज ने भारी आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

■ महापुरुषों के नाम और चित्रों की आड़ पर समाज को गुमराह करने की साजिश

बस्तर क्षेत्र में इन दिनों कुछ अवैध धर्मांतरण करने वाले समूहों द्वारा राष्ट्र के महापुरुषों की तस्वीरों का उपयोग कर एक तथाकथित रैली आयोजित की जा रही है, जिससे आदिवासी एवं सर्वसमाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है, जिन महापुरुषों ने जीवनभर राष्ट्रधर्म का पालन करने धर्मांतरण के खिलाफ प्रचार किया। सनातन परंपरा और सामाजिक एकता के संरक्षण के लिए कार्य किया, उन्हीं के नाम का उपयोग करके धर्मांतरण के समर्थन में आयोजन करना अत्यंत निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण है। आदि शंकराचार्य, छत्रपति शिवाजी महाराज, स्वामी विवेकानंद, महाराणा प्रताप, भगवान बिरसा मुंडा, संत रविदास जी जैसे महापुरुषों ने सदैव भारतीय पूजा पद्धति का अनुसरण करते हुए समाज को कुरीतियों से दूर रखा और धर्मांतरण जैसी प्रवृत्तियों का विरोध किया। ऐसे में उनके चित्र लगाकर भ्रम फैलाने का प्रयास भारतीय समाज की आस्था के साथ विश्वासघात है। ग्राम सभाओं के माध्यम से विगत वर्षों में अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने, संविधान सम्मत उपचार करने और न्यायालय से समर्थन प्राप्त करने के कारण इन समूहों में बौखलाहट स्पष्ट दिखाई दे रही है। अब यह समूह राष्ट्र के पूजनीय प्रतीकों का उपयोग कर समाज में वैचारिक भ्रम उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं, जो न केवल आदिवासी समाज की भावना के विरुद्ध है, बल्कि संविधान की भावना का भी अपमान है। पूर्व कृषि सभापति ईश्वर कावडे ने कहा है कि यह आयोजन पूरी तरह धर्मांतरण समर्थक तत्वों की साजिश है। ये लोग महापुरुषों के नाम और चित्रों की आड़ लेकर समाज को गुमराह करना चाहते हैं, जिन महापुरुषों ने धर्मांतरण का विरोध किया, उन्हें अब इन तत्वों द्वारा अपने प्रचार का माध्यम बनाया जा रहा है। आदिवासी समाज इस अपमान को सहन नहीं करेगा और अपने धर्म-संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट रहेगा। उक्त घटनाक्रम के विरोध में आदिवासी समाज एवं सर्वसमाज द्वारा 10 नवंबर सोमवार को एक आक्रोश रैली निकाली जाएगी, जिसमें महापुरुषों के अपमान और समाज में फैलाए जा रहे वैचारिक प्रदूषण के विरुद्ध जनमत प्रदर्शित किया जाएगा। अपने स्वर में यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारत के महापुरुषों और उनकी विचारधारा का अपमान अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खबर संक्षेप

मतदाता गणना पत्रक का वितरण जारी

बीजापुर। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत बीजापुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 165 बीजापुर-4 में बीएलओ द्वारा आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संबित मिश्रा को गणना पत्रक प्रदाय किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कार्य 4 नवम्बर से प्रारंभ हो चुका है जो 4 दिसम्बरतक जारी रहेगा। इस अवधि में बीएलओ घर-घर जाकर वर्ष की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं को पूर्व मुद्रित गणना पत्रक की दो प्रतियाँ प्रदान कर रहे हैं। इन गणना पत्रकों में मतदाताओं का मतदान केंद्र क्रमांकए सरल क्रमांक एवं अन्य विवरण पहले से अंकित हैं। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार, गणना पत्रक के साथ मतदाताओं से दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ और आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा रही है। बीएलओ द्वारा गणना पत्रक की एक प्रति मतदाता को पावती स्वरूप प्रदान की जाएगी, जिसे मतदाता को सुरक्षित रखना होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संबित मिश्रा ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलओ को सभी आवश्यक जानकारी एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो उपलब्ध कराएं और जागरूक नागरिक एवं मतदाता होने का दायित्व निभाएं।

सीईओ ने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

दंतेवाड़ा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत जयंत नाहटा की अध्यक्षता में सभी सी.ई.ओ. जनपद पंचायत, कार्यपालन अभियंता ग्रा.यां.सेवा, एसडीओ, उप अभियंता ग्रा.यां.सेवा, पीओ नरेगा, बीपीएम एनआरएलएम, बीसी आवास, एसबीएम एवं तकनीकी सहायकों की योजनाओं की क्रियान्वयन की समीक्षा किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)-वर्ष 2024-26 में स्वीकृति हेतु लंबित 930 आवास हितग्राहियों से आवष्यक दस्तावेज संकलित कर 1 सप्ताह के भीतर शतप्रतिशत स्वीकृत करने, पहुँच विहीन क्षेत्रों में दस्तावेज संकलन हेतु रोजगार सहायकों की ड्यूटी लगाकर संकलित कर अविलंब स्वीकृत किए जाने, तथा इस संबंध में जिला समन्वयक, आवास को प्रतिदिन वीसी के माध्यम से समीक्षा करने, 2677 स्वीकृत आवासों में प्रथम किस्त जारी एवं 3896 आवासों को प्लिंथ करने, के साथ-साथ आवास कार्य में रुचि नहीं रखने वाले सचिवों के विरूद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा बैठक में विशेष परियोजना- अंतर्गत लक्ष्य अनुसार हितग्राहियों का सर्वे कार्य पूर्ण करने तथा स्वीकृत आवासों में प्रगति लाने, पंचायत सचिवों को आवासों को निरीक्षण कर कोबो एप्प में एन्ट्री किए जाने हेतु सभी सीईओ जनपद पंचायतों को निर्देषित भी किया गया। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत प्रगतिरत सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्यो को पूर्ण कराने, जनपद पंचायतों में मुक्तिधाम निर्माण हेतु प्रस्ताव अविलंब उपलब्ध कराने, व्यक्तिगत शौचालय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने तथा प्रति शनिवार स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किये जाने हेतु प्रचार-प्रसार करने को भी कहा गया।

ड्रैगन फ्रूट, अमरूद, चकोतरा, पपीता और मिर्च की खेती से लहलहा रही फसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

राज्य बनने के 25 साल में कृषि और सिंचाई में रकबा कई गुना बढ़ा

बस्तर जो कभी नक्सल की काली छाया और पिछड़ेपन की गहरी खाई में डूबा माना जाता था। आज कृषि के क्षेत्र में एक चमत्कारिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी बहुल इलाके में अब टमाटर और मिर्च की खेती न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही है बल्कि पड़ोसी राज्यों के बाजारों तक अपनी पहुंच बना चुकी है। अब बस्तर की मिट्टी में ड्रैगन फ्रूट की लालिमा, अमरूद की मिठास, चकोतरा की ताजगी, पपीते का रस और मिर्च की तीखापन लहलहा रही है। 2001-02 में सब्जियों की खेती महज 1,839 हेक्टेयर में सिमटी थी और उत्पादन केवल 18,543 मीट्रिक टन था। आज वही हरियाली 12,340 हेक्टेयर तक फैल चुकी है और 1,90,180 मीट्रिक टन की फसल दे रही है। फलों की बगिया 643 हेक्टेयर से बढ़कर 14,420 हेक्टेयर तक पहुंच गई है जिसका उत्पादन 4,457 मीट्रिक टन से उछलकर 64,712 मीट्रिक टन हो गया। जहां कभी फूलों की खेती शून्य थी, वहां आज 207 हेक्टेयर में 1,313 मीट्रिक टन सुगंध बिखर रही है। मसाले 335 हेक्टेयर से 1,189 हेक्टेयर तक फैले हैं और 9,327 मीट्रिक टन का स्वाद दे रहे हैं।

औषधीय एवं सुगंधित पौधे भी शून्य से शुरू होकर 667 हेक्टेयर में 6,673 मीट्रिक टन तक पहुंच गया हैं। जिले में 3 लाख 80 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में शेडनेट हाउस खड़े किए गए हैं जिनके नीचे 160 से अधिक किसान मौसम की मार से सुरक्षित होकर फसल उगा रहे हैं। करीब 19 हजार वर्गमीटर में पॉली हाउस हैं जहां उच्च गुणवत्ता वाली सब्जियां और फल पनप रहे हैं। शेडनेट के अंदर 56 किसान एक लाख 47 हजार वर्गमीटर में हाईब्रिड बीज तैयार कर रहे हैं। लगभग 3,536 हेक्टेयर में ड्रिप इरिगेशन सिस्टम बिछाकर पानी की हर बूंद को संरक्षित किया जा रहा है। 20 हेक्टेयर में ड्रैगन फ्रूट की फसल ले रहे है।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर हुआ गरिमापूर्ण आयोजन

एकता,अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का अमर प्रतीक है राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम : सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर माँ दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण, मेंढ़का डोबरा मैदान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक देखा और सुना। इस कार्यक्रम के दौरान सांसद महेश कश्यप ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गर्व का दिन है। हमने हाल ही में राज्योत्सव, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती और आज भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ जैसे गौरवपूर्ण अवसरों को एक साथ मनाया है। हमारे देश की महान विभूतियाँ ही हमारी प्रेरणा हैं। यह भूमि देवभूमि कही जाती है क्योंकि यहां त्याग, तपस्या और राष्ट्रसेवा की भावना निहित है। हमें ऐसे महान पुरुषों के जीवन से सीख लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

सांसद कश्यप ने आगे कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना बंकिमचंद्र चटर्जी ने की थी। यह गीत हमारे देश की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के समय हर भारतीय के हृदय में जोश और गर्व जगाया। हमें इसे केवल गीत नहीं, बल्कि जीवन का आदर्श बनाना चाहिए। इसके साथ ही सांसदने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि "वंदे मातरम्-केवल एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति समर्पण, श्रद्धा और त्याग का प्रतीक है। जब भी हम वंदे मातरम् कहते हैं, तो हमारे भीतर देशभक्ति की नई ऊर्जा संचारित होती है। यह गीत भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक गौरव का अमर प्रतीक है।

इस अवसर पर विधायक चैतराम अटामी ने अपने उदबोधन में कहा कि आज हम राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" की 150वीं वर्षगांठ का उत्सव मना रहे है यह वही गीत है जिसने गुलामी की जंजीरों से जकड़े एक राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोकर हर भारतीय के मन में स्वतंत्रता की अखण्ड ज्वाला को प्रज्वलित किया। इसके रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी ने इस अमर प्रेरणा परक गीत को रच कर सदैव के लिए अमर हो गए आज हमारा राष्ट्र उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहेगा।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी अपने संबोधन में कहा कि यह हम सब के लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर यहां एकत्र हुए है हम सभी का यह प्रयास होना चाहिए कि इस राष्ट्रीय गीत के मूल संदेश को जन-जन तक पहुंचाए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि संतोष गुप्ता, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

यातायात नियम, साइबर फ्रॉड और नशा से दूर रहने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. के. बर्मन तथा एसडीओपी किरंदुल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भांसी निरीक्षक प्रहलाद कुमार साहू द्वारा यातायात नियम, साइबर फ्रॉड और नशा से दूर रहने के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला भांसी पहुंचकर स्कूल प्रबंधन, प्रभारी प्राचार्य निर्मला तुरखेड़े से संपर्क कर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर प्रभारी प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षक, शिक्षिकाओ एवं समस्त शाला स्टॉफ की उपस्थिति में सभी स्कूली विद्यार्थियों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में व्यापक रूप से जोर देते हुए कहा गया कि सड़क पर चलते समय हम यातायात नियमो का पालन नही करते हैं तो हमें अपनी जान से तक भी गवानी पड़ सकती है और साथ ही साथ परिवार को भी दर्द झेलना पड़ता है। इसी प्रकार नशा से दूर रहने के लिए बताया गया कि नशा कैसे हमारे जीवन और शरीर को बर्बाद कर देता है। समस्त स्टॉफ, छात्र, छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने व अपने परिजनों को भी पालन कराने तथा नशा मुक्त भारत अभियान में अपना योगदान देने के लिए नशा मुक्ति का शपथ दिलाया गया।

इस दौरान निरीक्षक विजय कुमार राठौर, सउनि राकेश भास्कर, थाना भांसी के अन्य स्टॉफ, व्याख्याता बीना कुमारी, देवप्रसाद ठाकुर, समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र, छात्राएं उपस्थित रहे।

क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन में पहुंचे विधायक लखेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकासखंड बकावंड के ग्राम चीतालुर में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह शनिवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि विधायक लखेश्वर बघेल उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने विधायक का स्वागत कर पुष्पमालाओं एवं पारंपरिक आतिथ्य के साथ अभिनंदन किया।

चीतालुर में आयोजित इस क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला बकावंड और डोंगरीगुड़ा की टीमों के बीच खेला गया। यह मुकाबला 12-12 ओवर का था पहले बल्लेबाजी करते हुए डोंगरीगुड़ा की टीम 12 ओवरों में 69 रनों पर ऑल आउट हो गई इसके जवाब में बकावंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 7 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर विजयी हुई। बघेल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विधायक ने कहा खेल गांव की पहचान बन रहे है आज खेल गांव-गांव की पहचान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि खेल को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए, क्योंकि हार-जीत खेल का हिस्सा होती है उन्होंने दोनों टीमों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया है उन्होंने ग्रामीण युवाओं से कहा कि वे खेल के माध्यम से अनुशासन, सहयोग और एकता की भावना को आगे बढ़ाएं।

बस्तर ओलंपिक में जीत का जश्न...

भानपुरी। बस्तर ब्लॉक मे आयोजित बस्तर ओलंपिक के जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिता में हायर सेकंडरी फरसागुड़ा ने जीता ईनाम।

राज्य अतिथि शिक्षक का दर्जा देने सांसद को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

सांसद महेश कश्यप के दंतेवाडा जिले में प्रवास के दौरान बस्तर संभाग के स्थानीय अतिथि शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने बस्तर सांसद महेश कश्यप, दंतेवाडा विधायक चैतराम अटामी, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुंडामी, शिक्षा समिति अध्यक्ष अरविंद कुंजाम, नवीन विश्वकर्मा की उपस्थिति में राज्य अतिथि का दर्जा देने और सेवा को निरन्तर रखने ज्ञापन सौंपा। गौरतलब है कि स्थानीय अतिथि शिक्षक पिछले 11 वर्षों से जिला स्तरीय परीक्षा उत्तीर्ण कर बस्तर जैसे दूरस्थ अंचलों में अपनी सेवा दे हैं। यह भर्ती पूर्व मुख्यमंत्री रमन के शासन काल में कलेक्टर के पद से वर्तमान वित्त मंत्री ओ पी चौधरी द्वारा की गई थी । समय समय पर इन्हें उचित लाभ देने का आश्वाशन भी दिया जाता रहा है। शिक्षकों ने बताया कि हम लोग इस पद निरंतर रहेंगे इसी उम्मीद से कार्य करते रहे और अब नौकरी की पात्र उम्र की दहलीज में पहुंच गए हैं।पिछले 11 वर्षों में रिजल्ट में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़त हुई है। दंतेवाडा जैसे दुर्गम क्षेत्र से मेरिट में भी विद्यार्थियों ने अपना नाम स्वर्णाक्षरों से अंकित किया है। न्यूनतम राशि वर्षों से हम काम कर रहे हैं। इस पर शासन को सहानुभूति पूर्वक विचार करते हाय सार्थक निर्णय लें कर 2500 कर्मचारियों के भविष्य और परिवार को सुदृढ़ बनाने हमे राज्य अतिथि का दर्जा देते हुए सेवा को निरन्तर करना चाहिए। इस मसले पर सांसद , विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष ने प्रतिनिधि मंडल को उचित और उनके हित में यथाशीघ्र निर्णय करने का वायदा भी किया। इस प्रतिनिधि मंडल में, हरजीत ठाकुर , दीपमाला चौहान, प्राचार्य ममता तिवारी, किरण बाजपेई, टोपेस्वर देवांगन, गजेंद्र साहू, रजक, सुनीता साहू, माधुरी साहू , ममता गुर्जर सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

हरि नाम संकीर्तन और जय श्रीकृष्ण के स्वर गूंजते रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- नगर के सीताराम शिवालय में चल रहा 8 दिवसीय कथा

नगर के श्री सीताराम शिवालय में आयोजित आठ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के अंतर्गत कथा व्यास आचार्य सुमित भारद्वाज ने रविवार को गजेंद्र मोक्ष, वामन अवतार, श्रीराम कथा और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का अद्भुत वर्णन किया। श्रद्धालुओं से भरे पंडाल में जब कथा के प्रसंगों का रसपान कराया गया तो वातावरण भक्तिमय हो उठा।

हर ओर हरि नाम संकीर्तन और जय श्रीकृष्ण के स्वर गूंजते रहे। आचार्य सुमित ने गजेंद्र मोक्ष की कथा सुनाते हुए कहा कि किस प्रकार हाथीराज गजेंद्र जब मगर के चंगुल में फंस गया तो उसने अपने सामर्थ्य से संघर्ष किया, लेकिन असफल रहने पर अंत में भगवान विष्णु को पुकारा। भक्त की पुकार पर श्रीहरि ने तुरंत प्रकट होकर गजेंद्र का उद्धार किया। इस कथा के माध्यम से उन्होंने संदेश दिया कि जब भी जीव अपनी सीमित शक्ति को छोड़कर पूर्ण समर्पण भाव से ईश्वर को याद करता है, तब भगवान स्वयं उसकी रक्षा के लिए आते हैं। कथा व्यास ने वामन अवतार प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि राजा बलि ने वामन रूप में आए भगवान को तीन पग भूमि का वचन दिया। भगवान ने अपने विराट स्वरूप में दो पग में धरती और आकाश नाप लिया तथा तीसरा पग राजा बलि के सिर पर रखकर उन्हें पाताल भेजा। इस कथा से आचार्य ने त्याग, दान और विनम्रता का महत्व समझाया। श्रीमद भागवत कथा में आगे आचार्य सुमित भारद्वाज ने श्रीराम कथा का संक्षिप्त वर्णन करते हुए मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों को सामने रखा।

आम सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा ग्राम तियारपानी प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. सरोना तह. सरोना जिला कांकेर में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नं. क्रमांकः 11/1, 26/1 कुल रकबा 3.76 हे. जो कि नरेश कुमार राजपूत पिता केशर सिंह राजपूत के नाम पर दर्ज है उक्त कृषि भूमि को मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता नरेश कुमार राजपूत पिता केशर सिंह राजपूत से क्रय करने का पक्की बातचीत कर लिया गया है। और ब्याना राशि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेता नरेश कुमार राजपूत को प्रदान कर चुका है और मात्र उक्त कृषि भूमि का पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उक्त क्रय विक्रय के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति संस्था शासकीय/अर्धशासकीय संस्था एवं बैंक आदि को कोई दावा आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। मियाद पश्चात कोई दावा आपत्ति मान्य नहीं होगा।

अतः यह आम सूचना सद्भावनापूर्वक प्रकाशित कराई गई।

अतः सूचना जाने।

दिनांक :- 9/11/2025

भवदीय
दिव्यांशु साहू अधिवक्ता
तहसील कार्यालय धमतरी
मो. नं. 9977405947

खिलाड़ी खेल भावना से खेलें, हार से निराश न हों

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपालपटनम

बस्तर क्षेत्र में खेल भावना को प्रोत्साहित करने और युवाओं की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर ओलंपिक के तहत विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताएं जारी हैं। इसी क्रम में बीजापुर जिले के भोपालपटनम ब्लॉक में ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता का आयोजन 8 नवम्बर से 9 नवंबर तक नगर के स्वर्गीय राजेंद्र पामभोई स्टेडियम में भव्य रूप से प्रारंभ किया गया। ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए होगी। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने खिलाड़ियों को हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी खेल भावना से खेलें, और हारने वाले खिलाड़ी निराश ना हो वे आज नहीं तो कल निश्चित रूप से उनकी जीत होगी। वे अपनी खेल भावना को लेकर आगे बढ़ें। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष ,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सीओ जनपद पंचायत,खंड शिक्षा अधिकारी,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस,बड़ी संख्या में ग्रामीण,जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक, प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

HEALTH TOWN

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक

Dr. Rituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi vaidya
Sri Sri tattva
Bangalore

सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आवुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज

पताः चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

मासूम छात्रा से खिलवाड़ पर स्कूल प्रशासन खामोश, सुरक्षा के लेकर पालकों में आक्रोश

आत्मानंद शाला हरनगढ़ में छुट्टी के बाद छात्रा को स्कूल में छोड़ने का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजुर

शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक शाला हरनगढ़ में कक्षा पहली की मासूम छात्रा गुंजन मंडल को स्कूल की छुट्टी के बाद कक्षा में ही बंद छोड़ दिए जाने के गंभीर और अक्षम्य लापरवाही के मामले ने पूरे क्षेत्र को आंदोलित कर दिया है, लेकिन हैरत की बात यह है कि इस घटना के सामने आने और दोषी कर्मचारियों द्वारा गलती स्वीकार करने के बावजूद जिला शिक्षा विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। यह आपराधिक उदासीनता न सिर्फ पीड़ित परिवार, बल्कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित आम जनता के आक्रोश को बढ़ा रही है। घटना स्कूल प्रशासन की घोर लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण है।

सख्त कार्रवाई की मांग

ग्रामीण ने हरिभूमि समाचार पत्र के माध्यम से लगातार माँग करता है कि कांकेर जिला शिक्षा विभाग और कलेक्टर कार्यालय तत्काल इस मामले में संज्ञान लें और बिना किसी देरी के दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें। यह कार्रवाई एक मिसाल कायम करनी चाहिए कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले किसी भी कर्मचारी के लिए शिक्षा व्यवस्था में कोई जगह नहीं है।

सवाल उठ रहे हैं कि बच्चों को सुरक्षित घर भेजना सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाई गई। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने पुष्टि की है कि शिक्षिका दीपशिखा साहू और चपरासी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और जाँच प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी को भेजा जा चुका है। ग्रामीणों और स्थानीय जनता का स्पष्ट कहना है कि स्कूल प्राचार्य का माफी मांगना पर्याप्त नहीं है। मासूम की जान से हुए इस खिलवाड़ के बाद दोषियों पर तत्काल निलंबन या सेवा समाप्ति जैसी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि यह भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराई जाए। जाँच प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी के पास पहुँच जाने के बावजूद, दोषियों पर कार्रवाई में देरी होना प्रशासन की गंभीरता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

खबर संक्षेप

महिलाओं की अनूठी पहल से नशामुक्त हुआ बेलगाल

पखांजुर। जहां पूरे देश में युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में फंसती जा रही है, वहीं बांदे तहसील के ग्राम बेलगाल की महिलाओं ने एक ऐतिहासिक संकल्प लिया है। गांव की महिलाओं ने एकजुट होकर गांव को पूरी तरह से शराब-मुक्त बनाने का अभियान छेड़ दिया है। बेलगाल गांव में अब शराब का सेवन करना या बनाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। महिलाएं सुबह-शाम डोर-टू-डोर जाकर मॉनिटरिंग कर रही हैं और बाहर से शराब पीकर आने वालों को भी दंडित किया जा रहा है। इस साहसी पहल के चलते, गांव पिछले 5 दिनों से पूरी तरह नशामुक्त है। महिलाओं की इस दृढ़ता ने न केवल बेलगाल में शांति और समृद्धि का वातावरण बनाया है, बल्कि यह आसपास के गांवों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन गया है। पूरा गांव अब एकजुट होकर इस अभियान का समर्थन कर रहा है, जो यह दर्शाता है कि सामुदायिक शक्ति से बड़े से बड़ा सामाजिक संकट भी दूर किया जा सकता है।

पर्यटन स्थल विकसित करने की मांग की

अंतागढ़। तहसील अंतागढ़ के मासबरस के युवक त्रिवेंद्र बघेल ने अंतागढ़ क्षेत्र में पर्यटन स्थलों के विकास की मांग को लेकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के साथ उन्होंने संभावित पर्यटन स्थलों के फोटोग्राफ भी प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि कई ऐसे प्राकृतिक और ऐतिहासिक स्थलों की पहचान की है जो अब तक पर्यटन सूची में शामिल नहीं हैं। उन्होंने बताया कि यदि इन स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए तो स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्र की पहचान राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बनेगी।

मुड़पार दखनी में 24 से मड़ई मेला महोत्सव

सरोना। पारंपरिक संस्कृति और ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुड़पार दखनी में मड़ई मेला महोत्सव का आयोजन 24 से 26 नवंबर तक पुरुष वर्ग की वॉलीबॉल और कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जिसमें बस्तर संभागीय भर की टीमें भाग लेंगी। खेल मुकाबलों के समापन के बाद 27 नवंबर, गुरुवार की रात्रि को देश की प्रसिद्ध लोकगायिका पूनम तिवारी अपने शानदार गीतों और प्रस्तुतियों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगी। आयोजन समिति ग्राम मुड़पार की ओर से उपसरपंच राजकुमार कश्यप ने बताया कि इस आयोजन में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में खेलप्रेमी और दर्शक जुटेंगे।

बाजार में सब्जियों की आवक बढ़ने से गिरे दाम

जगदलपुर। साप्ताहिक बाजार में रविवार को सब्जियों की आवक अधिक होने से सब्जियों सस्ती हुई। रविवार को बाजार में टमाटर 25, करेला 80, फूलगोभी 100, पत्तागोभी 40, भिंडी 80, आलू 30, प्याज 30, अदरक 180, लहसून 250 रूपए किलो बिक रहा। लालभाजी 20 रूपए में 10, पालकभाजी 20 रूपए में 8 जूड़ी बिक रहा है।

हड़ताल के कारण कामकाज ठप, बारदाने की सुरक्षा तो सुनिश्चित की जानी चाहिए

धान खरीदी केंद्र पर अव्यवस्था, बारदाना पहुंचा पर देखभाल करने वाला कोई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजुर

शासन समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी के बीच परलकोट क्षेत्र के धान खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था और अधिकारियों की लापरवाही की खबरें सामने आ रही हैं। एक तरफ जहां धान खरीदी के लिए बारदाना केंद्रों पर पहुंच चुके हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है, जिससे किसानों और खरीदी प्रक्रिया दोनों के प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। केंद्रों की इस बदहाली का मुख्य कारण संबंधित विभाग, आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के कर्मचारियों की चल रही हड़ताल बताया जा रहा है। हड़ताल के कारण समितियों पर ताले लटके हैं और जरूरी कामकाज ठप है। जानकारी के अनुसार चिन्हित अधिकारी को धान खरीदी केंद्र का प्रभार सौंपा गया है, लेकिन वे स्वयं ही धान खरीदी केंद्र प्रभारी के जिम्मेदारी से बचने के फिराक में हैं। नया बारदाना खुले में या बिना उचित देखरेख के रखा हुआ है, जिससे कारणों से उनके खराब होने का खतरा बना हुआ है। धान खरीदी की तारीख नजदीक आने के बावजूद, बारदाने की गिनती, स्टॉक मिलान और खरीदी से जुड़ी अन्य प्रारंभिक व्यवस्थाएं शुरू नहीं हो पाई हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों में गहरी चिंता है। किसानों का कहना है कि सरकार एक ओर धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ और ही है। यदि समय पर बारदाने का उचित प्रबंधन और अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित नहीं होती है तो उनकी धान बेचने की प्रक्रिया विलंबित हो सकती है। किसान हरीश कुमार का कहना है कि खरीदी केंद्रों में बारदाना पहुँच गया है, लेकिन अधिकारी नहीं हैं। यदि हड़ताल के कारण कोई काम नहीं हो रहा तो कम से कम बारदाने की सुरक्षा तो सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि यह भीग गया या चोरी हो गया, तो जिम्मेदार कौन होगा। जिम्मेदार अधिकारी की अनुपस्थिति और विभाग की हड़ताल के बीच यह सवाल खड़ा होता है कि धान खरीदी की महत्वपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी और व्यवस्था कौन करेगा। जिला प्रशासन को इस गंभीर लापरवाही का संज्ञान लेते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी और लापरवाह अधिकारी पर कार्रवाई करनी होगी, ताकि समय पर और सुचारू रूप से धान खरीदी शुरू हो सकें।

धान खरीदी पर महासंघ की आनलाइन हुई बैठक में व्यवस्था पर की गई चर्चा

दुर्गुकोंदल। धान खरीदी व्यवस्था एवं कार्यस्थल संचालन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से महासंघ की गूगल मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में समिति स्तर पर जिम्मेदारियों के स्पष्ट निर्धारण के साथ कार्य में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सामूहिक सहमति से निर्णय लिया गया कि सोमवार से सभी समितियों में समिति प्रभारी, समिति प्रबंधक, सहायक समिति प्रबंधक एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर की उपस्थिति एक अलग रजिस्टर में दर्ज की जाएगी। साथ ही यह भी तय किया गया कि बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर संबंधित कर्मचारी से 1000 रुपए अनिवार्य वसूली की जाएगी। उपस्थिति एवं अनुपस्थिति संबंधी जानकारी संबंधित व्हाट्सऐप समूहों में साझा की जाएगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। महासंघ प्रतिनिधियों ने सभी 2058 समितियों के समिति प्रभारियों को सतर्क रहने एवं अपने अधीन कार्यरत दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों, चौकीदारों, विक्रय लिपिकों एवं लेखा कर्मियों को भी समय पर उपस्थित रहने के लिए अवगत कराने को कहा। बैठक में कहा गया कि धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले समिति स्तर पर समस्त व्यवस्थाएँ सुनिश्चित होना आवश्यक है, जिससे खरीदी कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

तराईघोटिया कलंगपुरी क्षेत्र में पेयजल संकट गहराया, टीम ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत तराईघोटिया के आश्रित ग्राम रसोली, नागहूर और नेडगांव तथा समीपस्थ ग्राम पंचायत कलगपुरी में बीते दो महीनों से पेयजल आपूर्ति ठप होने से ग्रामीण गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए उन्हें प्रतिदिन लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। कई स्थानों पर महिलाएँ एवं किशोरियाँ पीने के पानी के लिए कुएँ और तालाबों पर निर्भर हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने की आशंका बनी हुई है। जानकारी के अनुसार इन गांवों में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकियों और नल कनेक्शन की व्यवस्था की गई थी। प्रारंभिक दिनों में जलापूर्ति सुचारू रही, परंतु पंप खराब होने के कारण दो माह पूर्व से नल जल योजना पूरी तरह बंद है, जिसके चलते ग्रामीणों को तालाब का गंदा पानी पीने पर मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि समस्या की जानकारी स्थानीय स्तर पर कई बार दी गई, लेकिन सुधार कार्य समय पर नहीं हो पाया। समाचार के प्रकाशन के बाद विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने मामले को संज्ञान लिया। उन्होंने अपने निज सहायक तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को तत्काल गाँवों का दौरा कर स्थिति का मूल्यांकन करने निर्देशित किया। टीम ने प्रभावित गाँवों में जाकर ग्रामीणों से चर्चा की और पेयजल संकट की स्थिति की पुष्टि की। स्थानीय ग्रामीणों ने निरीक्षण दल को बताया कि पंप में खराबी आने के बाद उसकी मरम्मत नहीं कराई गई, जिसके चलते टंकियों में पानी नहीं पहुंच रहा है। निरीक्षण के दौरान यह जानकारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा क्रेडा विभाग को अवगत कराई गई। संबंधित विभागों ने आश्वासन दिया कि मशीनरी सुधार एवं जलापूर्ति लाइन की मरम्मत का कार्य 1–2 दिनों में पूरा कर दिया जाएगा। इस मौके पर वार्ड पंच शंभूराम गावड़े, हेमलाल गावड़े, रामाऊराम बोगा, सगनूराम बोगा, राकेश बोगा सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

उप-मुख्यमंत्री का किया स्वागत विभिन्न कार्यों की स्वीकृति मिली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धनेलीकन्हार

भारतीय जनता पार्टी मंडल धनेलीकन्हार के पुर्व मंडल अध्यक्ष पंचुराम नायक व पुर्व महामंत्री लोकेश्वर सेन के नेतृत्व में युवा मोर्चा के पदाधिकारियों व ग्रामीणो ने उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा का धनेलीकन्हार के बंस स्टेंड में स्वागत किया। भानुप्रतापपुर प्रवास के दौरान जगदलपुर वापसी के दौरान धनेलीकन्हार में अल्प समय के लिए रुके उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का आरती व तिलक वंदन कर पुष्प वर्षा कर, फुलों की हार पहनाकर स्वागत किया एवं क्षेत्र के विकास के लिए आवेदन दिया, जिस पर उप मुख्यमंत्री ने शेड निर्माण के लिए चार लाख पचास हजार रुपए व कोदागांव में महार समाज के सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दस लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की। कोदागांव से चंदेली के मध्य स्थित सिन्दुर नंदी में पुल निर्माण व धनेलीकन्हार में प्राथमिक, माध्यमिक व हायर सेकेण्डरी स्कूल संयुक्त भवन निर्माण के लिए संबंधित मंत्री को पत्र लिखकर निवेदन करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अंकित टावरी, सानु सुधांशु साहू , भावेश आरदे, सरपंच मधु मंडावी, उपसरपंच वेद कुमार औरसा, कृष्णा साहू, रमेश साहू , संत कुमार साहू, विजय मंडावी, तोखराज बारला, भुजबल तारम, गजेन्द्र सिंह पोटाई, मनसा राम साहू, दयालु राम लाटिया, सुष्मिता सार्वा, सनिता साहू, धनेश्वरी साहू, दिनेश्वरी साहू, डाली पांडेय, शीवकुमारी पान्डेय, टिकेश्वरी शिवना, फगनु राम यादव, भेदन लाल सेन, नरोतम साहू, व्यास साहू, खेमलाल नायक, सुखी भुआर्य, मनबोध जैन, कमलेश सेन, लिकेश्वर कोठवार, महेंद्र टांडिया, प्रवीण साहू, प्रविण टांडिया, अमर सिंह भुआर्य उपस्थित रहे।

सीमावर्ती क्षेत्र में फुटबॉल प्रतियोगिता समरसता और सहयोग की मिसाल

दुर्गुकोंदल। सीमा सुरक्षा बल की 178वीं वाहिनी के तत्वाधान में सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्र में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बीएसएफ के जवानों के साथ-साथ आसपास के गांवों के युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में खेलों को बढ़ावा देना, युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करना तथा बीएसएफ और स्थानीय नागरिकों के बीच आपसी विश्वास एवं सौहार्द को और अधिक मजबूती प्रदान करना था। यह आयोजन 178वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट जेआर कुजूर के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। बीएसएफ द्वारा निरंतर जनसंपर्क और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यक्रम स्थानीय क्षेत्रों में संचालित किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों में सुरक्षा बलों के प्रति अपनत्व और विश्वास की भावना और अधिक गहरी हो रही है। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी शैलेन्द्र शर्मा, उप समादेष्टा गुरुचरण सिंह, अन्य अधिकारी, जवान तथा आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का मुख्य मुकाबला भूस्की और मंडागांव की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार कौशल, संयम और खेलभावना का परिचय दिया। रोमांचक और कड़े संघर्ष के बाद मंडागांव की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यवाहक कमांडेंट जेआर कुजूर ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का सशक्त माध्यम हैं, बल्कि ये युवाओं में अनुशासन, भाईचारा और राष्ट्रीय एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करते हुए उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी आगामी क्षेत्रीय स्तरीय फुटबॉल मुकाबलों में 178वीं वाहिनी का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह आयोजन सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति, सद्भाव और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

सहस्त्रबाहू अर्जुन जयंती पर कालार समाज ने निकाली कलश यात्रा व की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

भानबेड़ा में कलार समाज क्षेत्र स्तरीय सहस्त्रबाहु जयंती मनाया गया। सुबह कलश शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। पूरे गांव के गलियों में शोभायात्रा गुजरी और कलार समाज भवन पहुँची। यहां सहस्त्रबाहु अर्जुन और बहादुरिन कलारिन की छाया चित्र पर पूजा-अर्चना किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनाराम तेता ने कहा कलार समाज एक संगठित समाज है। युवा पीढ़ी को समाज के गतिविधियों से जोड़ना है। सभी बेटी-बेटा को समाज की परंपरा संस्कृति की जानकारी दे। बच्चों को जरूर पढ़ाएं, वर्ण व्यवस्था था कलार समाज माता बहादुरीन कलारिन महुआ से औषधि बनाते थे। कलार समाज के साथ-साथ गोंड समाज का भी सामाजिक व्यवस्था, नेक, नियम लगभग समान है। पहले माता बहादुरीन कलार की कहानी बताया जाता था, इसे आगे बढ़ना है। आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए जो समाज के पिछड़े है, उन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। आबादी के आधार पर आरक्षण मिले संविधान जो अधिकार दिया है, वह मिलना चाहिए। सामाजिक भवन मांग को विधायक सावित्री को अवगत कराया। विधायक सावित्री मंडावी उड़ीसा में होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। विधायक की स्वीकृति पर सामाजिक भवन के लिए तेता ने 6.50 लाख की घोषणा किया। विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य झरना हेमंत ध्रुव ने कहा समाज मे एकता दिख रही है। समाज मे आने वाले पीढ़ी को भी जोड़ कर रखे। गोत्र और सामाजिक परम्परा को भी अवगत कराएं। जनपद उपाध्यक्ष निर्मला कावड़े, सरपंच ममता ठाकुर ने कार्यक्रम का अध्यक्षता मयाराम जैन ने कहा समाज में प्रतिवर्ष सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में एकता और सामाजिक मजबूती बनाना है। महिला प्रकोष्ठ के चिंताबाई जैन ने भी कहा भले ही हमारा पुश्तैनी काम शराब बनाना है, पर शराब पीने पर पाबंदी लगे इससे घर परिवार बर्बाद हो रहा है। कार्यक्रम में जनपद सदस्य तेजबत्ति शोरी, पेमीन कोरेटी, राजकुमार दर्रो, रत्तीराम महाकाल जैन, खेमलाल साहू, दुर्योधन ठाकुर, जागेश्वर नरेटी, भगवली जैन, धन्नाराम जैन सहित बड़ी संख्या में कलार समुदाय के लोग उपस्थित रहें।

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

कलार समाज क्षेत्र भानबेड़ा से कक्षा 10 वीं और 12 वीं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान में रहे छात्र-छात्राओं का नगदी देकर किया गया सम्मान, साथ आने वाले समय मे छात्र-छात्राओं को अच्छे से पढ़ाई करने को कहा गया। साथ कलश सजाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान आने वाले महिलाओं का सम्मान भी किया गया।

अंचल में गुलाबी ठंड ने दी दस्तक, ठंडी हवाओं के साथ तेज हुई धान की कटाई

बासनवाही। जंगलों और पहाड़ियों से घिरे इस इलाके में गुलाबी ठंड ने दस्तक दे दी है। सुबह और शाम के समय हवा में हल्की सिहरन और खेतों में ओस की नमी महसूस की जा रही है। मौसम के खुलते ही किसानों ने धान की कटाई की रफ्तार तेज कर दी है। खेतों में हर ओर मशीनों की गड़गड़ाहट और किसानों की मेहनत का संगम दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों से अंचल में बादल छट गए हैं और आसमान पूरी तरह साफ है। बासनवाही क्षेत्र में दिन में धूप खिल रही है, लेकिन हवा में ठंडक का एहसास लगातार बढ़ रहा है। किसान इस ठंडे मौसम का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सुबह-सुबह खेतों में काम शुरू हो जाता है, जब हवा में नमी रहती है और धूप हल्की होती है।इस समय क्षेत्र में धान की कटाई जोरों पर है। हालाँकि मौसम अनुकूल है, फिर भी किसानों के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं। पिछले महीने हुई रुक-रुककर बारिश के कारण कई जगहों पर धान का पौधा गिर गया, जिससे दानों में चमक नहीं आई। इसके अलावा, कीट व रोग लगने से फसलों पर दवा का खर्च बढ़ गया है। इससे उत्पादन लागत में बढ़ोतरी और दाने हल्के हो जाने की शिकायतें मिल रही हैं। मौसम खुलने के बाद सभी किसान अपने-अपने खेतों में कटाई में जुट गए हैं। ऐसे में बड़े किसानों को मजदूर नहीं मिल पा रहे हैं। मजदूरों की कमी के कारण कई किसानों को हार्वेस्टर मशीनों का सहारा लेना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह साफ और ठंडा बना रहा, तो आने वाले पंद्रह दिनों में अधिकांश खेतों की कटाई पूरी हो जाएगी। बासनवाही और आसपास के गांवों में किसान खेत से लौटने के बाद किसान गर्म चाय की चुस्की के साथ दिनभर की थकान मिटाते नजर आते हैं। बच्चे और बुजुर्ग अलाव के पास बैठकर ठंड का आनंद ले रहे हैं।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्त्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Collage Tour
13 नवंबर, 18 दिसंबर, 2025, 02 जनवरी, 06 फरवरी, 28 मार्च, 10 अप्रैल, 08 मई, 15 मई, 22 मई, 05 जून 2026 (12 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
पशुपतिनाथ, माँ मनोकामना देवी, लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप) गोरखपुर, बनारस (श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल)
नेपाल विदेश यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।
राशिः-स्लीपर 17500/-, 3 एसी 27,500/-, 2 एसी 30,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

स्वामी जी 93406-38884
By Train-रिजर्वेशन कोच
26 दिसंबर 2025 11 दिन की यात्रा
नेपाल विदेश यात्रा
जनकपुर (सीता मैय्या जन्म स्थल), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि टेंपल) लुम्बिनी, काठमांडू, बुढ़ा नीलकंड, भक्तपुर, पशुपतिनाथ, पोखरा, गुप्तेश्वर, डेविड फॉल, विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक, मनोकामना देवी,
राशिः स्लीपर-18501/- ऑफर 17,501/-, 3AC-29,501/-ऑफर 27,501/-
स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
91111-11866
Head Office : सिटी सेंटर मॉल ग्राउण्ड फ्लोर पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)